गृह आधारित स्वास्थ्य देखभाल प्रमाणपत्र कार्यक्रम
(सीएचबीएचसी)

कार्यक्रम कोड : सीएचबीएचसी

पाठ्यक्रम कोड : सीएनएस एचसी–001

सत्रीय कार्य पुस्तिका – जुलाई 2019

स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखें :

- अपना उत्तर लिखने के लिए फुलसाइज पेपर का प्रयोग करें। **सत्रीय कार्य केवल हस्तलिखित सत्रीय कार्य स्वीकार्य है।** टंकित एवं छपे हुए सत्रीय कार्य स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- सभी पृष्ठों को क्रमबद्ध कर, टैग से सावधानीपूर्वक बाँध दें।
- प्रत्येक उत्तर के साथ प्रश्न संख्या अवश्य लिखे।

सभी प्रष्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

- प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए कुल 100 अंकों में से अंक दिए जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न की अधिभारिता उसके सामने कोष्ठक में दर्शाई गई है।

कार्यक्रम कोड	नामांकन संख्या ....
कार्यक्रम का शीर्षक	नाम ....
सत्रीय कार्य कोड	पता ....
पी एस सी (PSC)	....

कृपया पूरे किए हुए सत्रीय कार्यों को संबंधित कार्यक्रम अध्ययन केंद्र के कार्यक्रम प्रभारी के पास जमा कराएं।

गृह आधारित स्वास्थ्य देखभाल में प्रमाणपत्र (सी एच बी एच सी)
सत्रीय कार्य – टीएमए (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)
(खंड – 1, 2, 3 एवं 4)

कार्यक्रम कोर्ड : सीएचडीएचसी
पाठ्यक्रम कोड : सीएनएस–एचसी–001 / टीएमए / 2019

कुल अंक : 100
उत्तीर्ण होने के अंक : 50
जमा करने की अंतिम तारीख : 30 अक्टूबर , 2019

नोट :– यह सत्रीय कार्य तीन भाग – क, ख, और ग अर्थात् तीन भागों में विभाजित हैं।

भाग (क) के चार दीर्घ उत्तर प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक हैं।

भाग (ख) के तीन लघु उत्तर प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।

भाग (ग) के चार वस्तुनिष्ठ (objective) प्रश्न हैं जो कुल मिला कर 10 अंक हैं।

सभी प्रष्नों के उत्तर जहाँ आवष्यक हो उदाहरण सहित दीजिए।

यदि आवष्यक हो तो व्यावहारिक मैनुअल की सहायता अवष्य लें।

भाग – क

1) क) गृह देखभाल कार्यकर्त्ता की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। अपने उत्तर की पुष्टि उचित उदाहरण देकर कीजिए।
   ख) संक्रमण से बचने के सामान्य उपायों का वर्णन कीजिए।
   ग) रासायनिक पदार्थ से त्वचा के जल जाने पर आप किन उपायों को अपनायेंगे? सूची बनाइए।
   घ) वृद्धावस्था को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए। (6+3+3+3=15)

2) क) मस्तिष्क अबुर्द (brain tumour) होने के कारणों, संकेतों एवं लक्षणों की सूची बनाइए।
   ख) बेहोश व्यक्ति की सहयोगपरक देखभाल में गृह देखभाल कार्यकर्त्ता के रूप में अपनी भूमिका का वर्णन कीजिए। (2+5+8=15)

3) क) दवा देने के विभिन्न मार्गों (routes) का वर्णन कीजिए और दवा देते समय ध्यान में रखने योग्य जरूरी बिंदुओं की सूची बनाइए।

ख) त्वचा के विभिन्न प्रकार्यों की सूची बनाइए, गृह आधारित देखभाल कार्यकर्त्ता के रूप में, त्वचा देखभाल के लिए आवश्यक दशाओं की पहचान एवं इनका वर्णन कीजिए। (3+4+3+3+2=15)

4) क) अंतिम श्वास लेते व्यक्ति की आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए। अंतिम श्वास लेते व्यक्ति एवं इसके नातेदारों की आवश्यकताओं की पूर्ति में गृह देखभाल कार्यकर्त्ता के रूप में अपनी भूमिका की चर्चा कीजिए।

ख) परिवार के सदस्यों को रोगी की मृत्यु की खबर देने की तैयारी आप कैसे करेंगे? (8+7=15)

भाग – ख

लघु उत्तर प्रष्न

5) क) संप्रेषण प्रक्रिया के मुख्य अवयवों का वर्णन कीजिए और गृह देखभाल कार्यकर्त्ता द्वारा प्रभावी संप्रेषण के लिए ध्यान में रखने योग्य सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।

ख) खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने के उपायों की सूची बनाइए और संतुलित आहार का वर्णन कीजिए और स्वस्थ जीवन यापन के लिए कौन से कदम उठाना आवश्यक है? चर्चा कीजिए। (5+5=10)

6) क) आरामदायक युक्तियों का वर्णन कीजिए और रोगी की सेहत को बेहतर बनाने में इनके उपयोगों पर प्रकाश डालिए।

ख) श्वसनी–दमा (bronchial asthma) के रोगी की देखभाल की चर्चा कीजिए।

ग) निम्नलिखित दशाओं में आप क्या प्राथमिक सहायता देंगे?

(i) साँप का काटना

(ii) नाक से खून बहना (4+3+3=10)

7) क) खाद्य पदार्थ में विद्यमान बुनियादी पोषक तत्वों, इनके स्रोतों एवं प्रकार्यों का वर्णन कीजिए।

ख) विविध पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोगों के नाम लिखिए।

ग) अपने रोगी में पोषक–तत्व की कमी से होने वाले रोगों की पहचान कीजिए और इसकी तुलना खंड में दी गई जानकारी से कीजिए।

(5+3+2=10)

भाग – ग

8) प्रत्येक कथन के अंतर्गत दिए गए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर के सामने (√) का निशान लगाइए : (½ x 5 = 2½)

क) दिल के रोगी की देखभाल में निम्नलिखित में से कौन सा एक सम्मिलित नहीं है?
   i) फाउलर–स्थिति
   ii) रोगी की हालत में निरंतर बदलाब की सूचना देना
   iii) अधिक नमक वाले भोजन से परहेज
   iv) रोग की दवा बिना डाक्टर से पूछे स्वयं लेना

ख) दमा के रोगियों में श्वसन–मार्ग के संकुचन का कारण, निम्नलिखित में से कौन सा नहीं है?
   i) एलर्जी
   ii) संवेगात्मक परिवर्तन या तनाव
   iii) कुपोषण
   iv) पारिवारिक इतिहास

ग) लैरिंक्स–कैंसर रोगियों की देखभाल के संबंध में एक सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है :
   i) रोगी को बातचीत करने के वैकल्पिक तरीके का चयन करने के लिए प्रेरित करना
   ii) एक बार में रोगी को ढेर सारा तरल पदार्थ पिलाना
   iii) रोगी को गहरा श्वसन लेने संबंधी व्यायाम करने के लिए प्रेरित करना
   iv) रोगी को अपने परिवार के साथ भोजन करने के लिए प्रेरित करना

घ) जीर्ण (chronic) किडनी रोग के संबंध में कौन सा इसका लक्षण
   i) शरीर में पानी भर जाना
   ii) टाँगों और चेहरे पर सूजन
   iii) जख्म का न भरना
   iv) सारे शरीर पर खुजान

च) नींद न आना (insomnia) का अर्थ है :
   i) रात के समय नींद न आना
   ii) रात के समय अधिक नींद आना
   iii) दिन क समय नींद न आना
   iv) दिन के समय अधिक नींद आना

9) कालम 'क' में दिए गए मदों का मिलान कालम 'ख' में दिए गए शब्दों से कीजिए : (½ x 5 = 2½)

कॉलम क	**कॉलम ख**
क) कुत्ते का काटना	i) जरा चिकित्सा
ख) एकसमान ऊत्तकों का समूह	ii) उदर
ग) शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि	iii) रेबिज
घ) रूधिर को संचरित करने वाला पंपिंग अंग	iv) अंग (organ)
च) बुजुर्गों की देखभाल	v) लीवर
	vi) हृदय
	vii) सिस्टम

10) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (½ x 5 = 2½)

क) हड्डी की निरंतरता में कोई भी तोड़ या दरार —————— कहलाती है।

ख) त्वचा की सिर्फ परत को जलाने वाला —————— बर्न कहलाता है।

ग) दाँत दो प्रकार के होते हैं – अस्थायी और ——————————।

घ) पित्तशय (gall bladder) ———————— को भंडारित करता है जो वसा को पिघलाने में सहायक होता है।

च) जब किडनी सामान्य रूप से काम न करती हो और मूत्र बनने की क्रिया भी प्रभावित हो तो उसे —————————— कहते हैं।

11) सही कथन के सामने (√) और गलत कथन के सामने (X) का निशान लगाइए। (½ x 5 = 2½)

क) बिजली का झटका लगने पर, करंट का स्विच ऑन कर दें। ( )

ख) एंडोक्राइन सिस्टम–मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी और विशेष ज्ञानेन्द्री से बनता है। ( )

ग) अस्थि पिंजर, 206 हड्डियों से बनता है। ( )

घ) दोनों फेफड़ों के बीच छाती के खोखले स्थान में हृदय होता है। ( )

च) किडनी के काम न करने की हालत में रोगी को बिना नमक का भोजन दिया जाना चाहिए। ( )